एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE-424 (iii) चौबीसवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-3) - चन्द्रकुंवर बर्त्वाल

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है - 2X10 =20 अंक

(1) मेघनन्दिनी।
(2) पयस्विनी।
(3) विराट ज्योति।
(4) गीत माधवी एवं जीतू।
(5) कंकड़-पत्थर।

इकाई-2 (i) 'बर्त्वाल' और 'मेघनन्दिनी' पर आधारित प्रश्न।
(ii) 'बर्त्वाल' और 'पयस्विनी' पर आधारित प्रश्न।
एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) 'विराट ज्योति' और 'कंकड़-पत्थर' पर आधारित प्रश्न।
(ii) 'गीत माधवी' और 'पयस्विनी' पर आधारित प्रश्न।
एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे-
5X2=10 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE 424-(ii) चौबीसवाँ प्रश्न पत्र सुमित्रानन्दन पंत (विकल्प-2)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

निम्नलिखित में से 2 व्याख्याएँ करनी हैं- 2X10 =20 अंक

इकाई-1 (i) लोकायतन
(ii) तारापथ
(iii) रश्मि बन्ध
(iv) सुमित्रानन्दन पन्त का गद्य (विशेष रूप से उनके संग्रह की भूमिकाएँ)

इकाई-2 (i) पन्त और लोकायतन पर आधारित प्रश्न
(ii) तारापथ पर आधारित प्रश्न
(iii) तारापथ पर आधारित प्रश्न
एक आलोचनात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा 400) 1X10 =10अंक

इकाई-3 (i) 'रश्मि बन्ध' और पन्त पर आधारित प्रश्न
(ii) सुमित्रानन्दन पन्त की गद्य भूमिकाओं पर आधारित प्रश्न
एक आलोचनात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा 400) 1X10 =10अंक

इकाई-4 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 4 लघूउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे-
(शब्द सीमा 70) 2X5 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघुत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे - 5X2 =10 अंक

भट्ट शैलेश (गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य) अबोध बन्धु बहुगुणा (भुगत्यूं भविष्य-उपन्यास) भवानी दत्त थपलियाल (प्रह्लाद नाटक) जीवानन्द श्रीयाल (डालीमाटी) श्रीधर जमलोकी (राष्ट्र रक्षा-प्रारम्भ के 20 छन्द) बलदेव प्रसाद नौटियाल (पंचप्रहरी -निबन्ध)नित्यानंद मैठाणी (फूलदेई) डा0 जगदीश प्रसाद नौटियाल (समलौंण काव्य) नरेन्द्र सिंह नेगी (खुचकण्डी काव्य)

उपर्युक्त द्रुत पाठ में से 04 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 02 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70) 5X2 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे - 5X2 =10 अंक

संदर्भ-ग्रन्थ

1. गढ़वाल का इतिहास --हरिकृष्ण रतूड़ी।
2. गढ़वाल और गढ़वाल -सम्पादक-चंद्रपाल सिंह रावत,; डा0 तिवारी एवं 'गनी' 4/310 सी, लारेंस रोड़दिल्ली।
3. गढ़वाली लोक मानस-डॉ0 शिवानन्द नौटियाल।
4. गढ़वाली लोक साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन-मोहन लाल बाबुलकर।
5. गढ़वाल के लोक गीत एवं लोक नृत्य- डा0 शिवानन्द नौटियाल।
6. आर्यो का आदि देश-मध्य हिमालय-भजन सिंह (सिंह)।
7. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य-डॉ0 हरिदत्त भट्ट शैलेश, हिन्दी साहित्य समिति उ0प्र0 शासन लख०।
8. मध्य पहाड़ी की भाषा शास्त्रीय अध्ययन-डॉ0 गोविन्द चातक, नई दिल्ली।

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE423-(ii) तेईसवाँ प्रश्न पत्र पालि (विकल्प-2)

क्रेडिट-03

पूर्णांक : 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा-60 अंक

02 सेशनल परीक्षा-40 अं

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इनमें से दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी- 2X10 =20 अं

इकाई-1 (i) पालि जातकावली (1 से 12 जातक तक)

(ii) धम्मपद - भिक्षुधर्मरक्षित (1 से 12 बग्ग तक)

इकाई-2 (i) पालि एवं पालि जातकावली पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा 400)

1X10 =10अंक

इकाई-3 (i) 'धम्मपद' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न- (शब्द सीमा 400) 1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) 'पालि जातकावलि' के निर्धारित जातकों में से 5 पालि शब्दों का हिन्दी अनुवाद।

(ii) 'धम्मपद' के निर्ध्धारित 'बग्ग' में से 5 शब्दों का हिन्दी अनुवाद- 1X10=10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघुत्तरीय 10 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे -

10X1 =10 अंक

संदर्भ ग्रन्थ

1. पालि महाव्याकरण-कात्यायन।
2. भारतीय आर्यभाषाओं का इतिहास- डा0 जगदीश प्रसाद कौशिक।

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघुत्तरीय 10 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे -

10X1 =10 अंक

संदर्भ-ग्रन्थ

1. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डा0 बाबूराम त्रिपाठी।
2. संस्कृत नाटक -ए0बी0 कीथ- अनुवादक, डा0 उदयभानु सिंह।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास-बलदेव उपाध्याय।
4. उपमा कालिदासस्य- डा0 शशिभूषण दास गुप्त।
5. संस्कृत कविता में रोमांटिक प्रवृत्ति-हरीशचन्द्र वर्मा।
6. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा-पं0 चन्द्रशेखर।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास-डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
8. बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी -डॉ0 महेश भारती।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास-बाचस्पति गैरोला।

काई-3 (i) गढ़वाल की अन्य पौराणिक गाथाएँ- कृष्ण सम्बन्धी-नागराजा, सिधुवा विधवा, गंगू रमोला, कद्रू विनता तथा निरंकार की गाथा।

(ii) गढ़वाली लोक कथा- लोक कथाओं की प्रवत्तियाँ, लोक कथाओं के प्रकार, देवी देवताओं की कथाएँ, पशु पक्षी-भूत प्रेत की कथाएँ, जग्सों की कथाएँ, परियों की कथाएँ, वीर बहादुरों की कथाएँ, राजा रानी, जीव जन्तु की कथाएँ, तंत्र मंत्र की कथाएँ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) गढ़वाली पखाणा एवं आंणा (पहेली एवं लोकोक्तियाँ) एवं जन अनुभव। हिन्दी और गढ़वाली की लोकोक्तियों एवं पहेलियों का तुलनात्मक अध्ययन।

(ii) गढ़वाली लोक वाद्य ढोलसागर, नन्दाजात, औजी बादी, लोक साहित्य संकलन में कठिनाइयाँ, लोक साहित्य धरोहर का संरक्षण, गढ़वाल के प्रसिद्ध लोक साहित्य संकलनकर्ता और लोक साहित्य में उनका योगदान।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HC-419 उन्नीसवाँ प्रश्नपत्र-बंगला साहित्य एवं हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) बंगला साहित्य का इतिहास - युगीन पृष्ठभूमि, काल-विभाजन, नामकरण, सीमा।

(ii) युगप्रवृत्तियाँ, कवि, रचनाएँ और उनकी विशेषताएँ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) बंगला साहित्य का आधुनिक काव्य, कवि और उनकी रचनाएँ एवं विशेषताएँ।

(ii) बंगला साहित्य का आधुनिक गद्य (उपन्यास, कहानी, नाटक, रिपोर्ताज आदि) का उद्भव और विकास तथा विशेषताएँ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) बंगला और हिन्दी साहित्य के आदिकाल के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

(ii) बंगला और हिन्दी साहित्य के मध्यकाल के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) बंगला और हिन्दी के आधुनिक साहित्य के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन।

(ii) बंगला और हिन्दी के गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध आदि) का तुलनात्मक अध्ययन।

कथानक-रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400) -1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) लोक-गाथा : ढोला-मारू, गोपीचन्द-भरथरी, लोरिकायन, नल-दमयंती, लैला-मजनूँ, हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल, लोरिक-चंदा, बगड़ावत, आल्हा-ऊदल।

(ii) लोकनृत्य-नाट्य, लोक-संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोकधुनें, लोकभाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400) -1X10 =10 अंक

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. लोक साहित्य, विज्ञान- डॉ0 सतेन्द्र, प्रकाशक-शिव लाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
2. लोक साहित्य की रूपरेखा- सं0 - डॉ0 कृष्ण चन्द्र शर्मा।
3. लोक साहित्य सिद्धान्त और प्रयोग-डॉ0 श्रीराम शर्मा।
4. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ-मध्य हिमालय-डॉ0 गोविन्द चातक।
5. लोक साहित्य के प्रतिमान - डॉ0 कुन्दनलाल उप्रेती।
6. भारतीय लोक साहित्य कोश सं0-डॉ0 सुरेश गौतम (खण्ड-4), संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE424-(i) चौबीसवाँ प्रश्नपत्र- जयशंकर प्रसाद (विकल्प 01)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

निम्नलिखित में से 2 व्याख्याएँ करनी हैं- 2X10 =20 अंक

इकाई-1 (1) कामायनी- (चिन्ता, इड़ा सर्ग)।

(2) आँसू- (प्रारम्भ के 30 छन्द)।

(3) चन्द्रगुप्त- (नाटक)।

(4) तितली- (उपन्यास)।

इकाई-2 (i) प्रसाद की कामायनी पर आधारित प्रश्न

(ii) प्रसाद के आँसू पर आधारित प्रश्न

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 तक)- 1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) चन्द्रगुप्त नाटक पर आधारित प्रश्न

(ii) तितली उपन्यास पर आधारित प्रश्न

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 तक)- 1X10 =10अंक

इकाई-4 (i)सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 02 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70 तक)- 2X5 =10 अंक

इकाई-5 (i)सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 05 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे। 5X2 =10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर
SOL/HE423-(iii) तेईसवाँ प्रश्न पत्र -जनपदीय भाषा साहित्य (गढ़वाली भाषा साहित्य) (विकल्प-3)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :
इनमें से 2 व्याख्याएँ पूछी जायेंगी- 2X10 =20 अंक

इकाई-1 (i) अक्कलवर को ?- (उपन्यास) डा0 महावीर प्रसाद गैरोला
(ii) सदेई - पं0 तारादत्त गैरोला (प्रारम्भ के 50 छन्द)
(iii) सिंहनाद- भजन सिंह-(प्रारम्भ के 20 छन्द)
(iv) क्या गोरी क्या सौंली- निबन्ध संग्रह- डॉ0 गोविन्द चातक, जोनि पर छापू किले, (कहानी संग्रह) मोहन लाल नेगी।

इकाई-2 (i) उपन्यास तथा कहानी पर आधारित एक प्रश्न।

अथवा

(ii) गढ़वाली साहित्य के उद्भव और विकास एवं विशिष्ट कृतियों पर प्रश्न।(शब्द सीमा 400) 1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) काव्य एवं निबंध पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न।

अथवा

(ii) गढ़वाली युग की प्रवृत्तियों पर आधारित प्रश्न पूछा जा सकता है। (शब्द सीमा 400) 1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) द्रुत पाठ हेतु निर्धारित पाठ्यांश-
डा0 शिवानन्द नौटियाल (धार मां की गैंणी-कहानी) डा0 शिवप्रसाद डबराल (गढ़वाली सम्पादक के रूप में) डा0 हरिदत्त

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE423-(i) तेइसवाँ प्रश्न पत्र संस्कृत (विकल्प-1)

क्रेडिट-03

पूर्णांक : 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा-60 अंक

02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

नोट- संस्कृत केवल वे छात्र ले सकते हैं जिन्होंने इण्टरमीडिएट या इससे ऊपर के पाठ्यक्रम में संस्कृत विषय का अध्ययन न किया हो।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इनमें से दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी- 2X10 =20 अंक

इकाई-1 (i) कुमार सम्भवम् (कालिदास) पंचम सर्ग।

(ii) कादम्बरी कथा मुखम-बाणभट्ट (आसीद्शेषनरपति से ..... विन्ध्याटवी नाम तक)

(iii) ऋतुवर्णन सम्मुच्चय (केवल बंसत ऋतु वर्णन) बाल्मीकि -सं0-विश्वनाथ गौड़, प्रकाशक गौतम ब्रदर्स कानपुर।

इकाई-2 (i) कालिदास और बाणभट्ट पर एक आलोचनात्मक प्रश्न - (शब्द सीमा 400) 1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) कुमार सम्भव एवं ऋतुवर्णन सम्मुच्चय पर आधारित एक आलोचनात्क प्रश्न-

(शब्द सीमा 400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) उपर्युक्त पाठ्यपुस्तकों में से - (i) संधि (ii) समास (iii) शब्द रूप (iv) धातु रूप (v) प्रत्यय से सम्बन्धित प्रश्न पूछ जायेंगे। 5X2 =10 अंक

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) भाषा का सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ- भाषा और संस्कृति, भाषा और संस्कृति, भाषा और परिवेश, सहायक पुस्तकें।

(ii) भाषा-परीक्षण एवं मूल्यांकन की संकल्पना, मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन पद्धति, एकल मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन। मूल्यांकन में श्रुत -लेख एवं निकट (क्लोज) परीक्षण।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ-ग्रन्थ

1. भाषा शिक्षण तथा भाषा-विज्ञान- ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा।
2. भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण- किशोरी लाल शर्मा, केन्द्रीय संस्थान आगरा।
3. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- अमर बहादुर सिंह के0हि0 संस्थान, आगरा।
4. हिन्दी भाषा-शिक्षण- डा0 भोलानाथ तिवारी-लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
5. भाषा -शिक्षण- डा0 रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव-नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
6. हिन्दी-भाषा-शिक्षण- डा0 रंगनाथ पाठक प्रकाशक प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, लंका, वाराणसी।

(ii) मुक्त प्रेस की अवधारणा, विज्ञापन, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रेस सम्बन्धी कानून तथा आचार संहिता, चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे-

5X2=10 अंक

संदर्भ-ग्रन्थ

1. हिन्दी पत्रकारिता की दिशाएँ- जोगेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र कुमार एण्ड सन्स, शाहदरा दिल्ली।
2. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता- डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. टेलीविजन समाचार- शकील हसन शमशी- उ0प्र0 हिन्दी साहित्य सम्मेलन फर्रूखाबाद।
4. मीडिया लेखन- डॉ0 रमेशचन्द्र त्रिपाठी- भारत प्रकाशन लखनऊ।
5. समाचार फीचर लेखन एवं सम्पादन कला-डॉ0 हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिन्दी पत्रकारिता -डॉ0 कृष्णबिहारी मिश्र, ज्ञानपीठ दिल्ली।
7. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास- डॉ0 अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
8. समाचार पत्रों का इतिहास - अम्बिका प्रसाद बाजपेयी, ज्ञानमण्डल वाराणसी।
9. प्रेसविधि - नन्द किशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता-गंगा प्रसाद ठकुर मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल।

इकाई-3 जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पंत और सुभद्राकुमारी चौहान पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 दिनकर, अज्ञेय तथा रमानाथ अवस्थी पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न(शब्द सीमा-400)- 2X5=10अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. हिमालय परिचय -राहुल सांस्कृत्यान।
2. हिमालय गाथा: जनजाति संस्कृति-सुदर्शन वशिष्ठ।
3. रामचरित मानस- तुलसीदास।
4. चन्द्रकुंवर -काव्य प्रसंग और काव्य संहिता -श्रीकंठ, जयश्री ट्रस्ट, बसंत विहार देहरादून।
5. हिमालय गाथा-देवपरम्परा-सुदर्शन वशिष्ठ।
6. हिमालय गाथा-पर्व उत्सव -सुदर्शन वशिष्ठ।
7. हिमोत्कर्ष - डॉ0 शिवानंद नौटियाल।
8. हिमांचल दर्शन- डॉ0 शिवानंद नौटियाल।
9. उत्तराखण्ड: संस्कृति, साहित्य और पर्यटन-डॉ0 हरिमोहन एवं डॉ0 शिवप्रसाद नैथानी।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहितय की हिन्दी और अनुवाद।

(ii) कार्यालयी अनुवाद-कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियों, पदनाम, विभाग का अनुवाद, पत्रों के अनुवाद, सारानुवाद, द्विभाषिय प्रविधि, अनुवाद परीक्षण एवं मूल्यांकन।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त एवं प्रविधि -भोलानाथ तिवारी।
2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी।
3. अनुवाद कला- भोलानाथ तिवारी।
4. बैंको में अनुवाद की समस्यायें - भोलानाथ तिवारी।
5. काव्यानुवाद की समस्यायें - भोलानाथ तिवारी/महेन्द्र चतुर्वेदी।
6. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्यायें - भोलानाथ तिवारी/जितेन्द्र गुप्त।
7. जनसंपर्क प्रचार एवं विज्ञान - विजय कुलश्रेष्ठ।
8. सूचना प्रौद्योगिकी और जन माध्यम - डॉ0 हरिमोहन।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. बंगला साहित्य दर्शन - मनमथनाथ गुप्त, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली।
2. बंगला साहित्य की कला- मूल लेखक, सुकुमार सेन - अनुवादक भोलानाथ शर्मा हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
3. भारतीय साहित्य -सं0 -डॉ0 नगेन्द्र (बंगला) - डॉ0 श्रीकुमार बैनर्जी, डॉ0 इन्द्रनाथ चौधुरी।
4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा।
5. सरल भाषा प्रकाश, बंगला व्याकरण (बंगला) सुनीति कुमार चटोपाध्याय।
6. भाषा, संस्कृति और समाज - सतीश कुमार रोहरा।
7. हिन्दी की विश्व यात्रा- सं0 -डॉ0 सुरेश ऋतुपर्ण।
8. विश्व में हिन्दी - हरिबाबू कंसल।
9. प्रेमचन्द्र और शरदचन्द के उपन्यास: मनुष्य का बिम्ब-सुषमा प्रकाशन नई दिल्ली।
10. हिन्दी कल आज और कल-प्रभाकर श्रोत्रिय।
11. भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश-रामविलास शर्मा।

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-316 (iii) सोलहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-3) - लोक साहित्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) लोक और लोक-वार्ता, लोक-वार्ता, लोक विज्ञान, लोक-संस्कृति-अवधारणा, लोकवार्ता और लोक-संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य।

(ii) लोक साहित्य : अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मखता हिन्दी के आरम्भिक साहित्य में लोकतत्त्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अन्त:सम्बन्ध।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400) -1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी, लोक-साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।

(ii) लोक साहित्य के प्रमुख रुप-लोक गीत, लोक नाट्य, लोक-कथा, लोकगाथा, लोकनृत्य-नाट्य, लोक संगीत। संस्कार गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति गीत।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400) -1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) लोक-नाट्य : रामलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, भवाई, संपेड़ा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटकी, जात्र, कथकली।

(ii) हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव, लोक-कथा : व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा,

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE-422(ii) बाइसवाँ प्रश्नपत्र- पत्रकारिता प्रशिक्षण (विकल्प-2)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

(ii) समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व-समाचार संकलन लेखन के मुख्य आयाम, शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख, समाचार की प्रस्तुति प्रक्रिया।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति।

(ii) पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन-संपादकीय फीचर रिपोर्ताज, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी0वी0, केवल, वीडियो, मल्टीमीडिया और इण्टरनेट की पत्रकारिता।

(ii) प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण, कला, प्रूफशोधन, लेआउट, पृष्ठ सज्जा।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) पत्रकारिता-प्रबन्धन, प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री, वितरण व्यवस्था सूचना अधिकार, मानवाधिकार।

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HIC-420 बीसवाँ प्रश्नपत्र- प्रयोजनमूलक हिन्दी (मीडिया लेखन एवं अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार)

क्रेडिट-03

पूर्णांक : 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा-60 अंक

02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) मीडिया-लेखन-जन-संचार प्रौद्योगिकी, विभिन्न जनसंचार-माध्यमों का स्वरुप-मुद्रण, दृश्य-श्रव्य, इण्टरनेट।

(ii) श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिकभाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, रेडिया नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन-लेखन फीचर तथा रिपोर्ताज।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो)-दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृष्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर) पटकथा लेखन।

(ii) टेली-ड्रामा/डाक्यू ड्रामा, संवाद-लेखन, साहित्य के माध्यम से दृश्य माध्यमों में रुपान्तरण विज्ञापन की भाषा, इण्टरनेट सामग्री सृजन (Content Cheation)

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) अनुवाद का स्वरुप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं विधि हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

(ii) कार्यालयी हिन्दी और अनुवार, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे
जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5x2=10

संदर्भ -ग्रन्थ

1. छायावाद-डॉ0 नामवर सिंह।
2. छायावाद के गौरव चिन्ह-श्रीपाल सिंह क्षेम।
3. छायावाद युग- शम्भु नाथ सिंह।
4. छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि-डॉ0 सुषमा पाल।
5. नवजागरण और छायावाद-डॉ0 महेन्द्र नाथ राय।
6. छायावादी काव्य: कुछ नये संदर्भ- डॉ0 मृदुला जुगरान, आशय प्रव गाजियाबाद।
7. महीयसी महादेवी वर्मा- गंगा प्रसाद पाण्डेय।
8. कवि सुमित्रानन्दन पन्त -डॉ0 नन्ददुलारे बाजपेयी।
9. कामायनी अध्ययन की समस्यायें- डॉ0 नगेन्द्र।

एम०ए०-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर
SOL/HE-318 (ii) अट्ठारहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-2) -
राजभाषा-प्रशिक्षण

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) प्रशासन-व्यवस्था एवं भाषा, भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता।

(ii) राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति, राजभाषा सम्बन्धी संविधानिक प्राविधान- राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960)।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) राजभाषा अधिनियम- 1963 (यथा संशोधित-1967) राजभाषा संकल्प (1968)
(यथानुमोदित-1969) राजभाषा नियम-1976।

(ii) द्विभाषी नीति और त्रिभाषा-सूत्र, हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।

(ii) हिन्दी-आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण, पत्राचार।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या, हिन्दी कम्प्यूटरीकरण, हिन्दी में तकनीकी एवं वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दावली।

(ii) केन्द्र और राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दी की प्रगतिकरण की स्थिति, बैंकिंग, बीमा, विधि, सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी, भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे. जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद-रीता रानी पालीवाल।
3. कामकाजी हिन्दी -डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, दिल्ली-7।
4. हिन्दी भाषा का राजकाज में प्रयोग-डॉ0 रामबाबू शर्मा।
5. राजभाषा हिन्दी और उसका विकास - हीरालाल बाछोतिया।
6. आदर्श समाचार हिन्दी -विजय अग्रवाल।
7. रेडियो एवं दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा- शंकर दयाल सिंह।
9. अभिमन्यु अनत: व्यक्तित्व एवं कृतित्व -डॉ0 श्यामदत्त तिवारी
10. राजभाषा भारती (त्रैमासिक पत्रिका) -राजभाषा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली। सं0-ओमप्रकाश सेठी

एम०ए०-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-317 (i) सत्रहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-1) - हिन्दी उपन्यास-साहित्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है -
2x10 =20 अंक

(1) रंगभूमि - प्रेमचन्द।
(2) मृगनयनी - वृंदावनलाल वर्मा।
(3) त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार।
(4) तमस - भीष्मसाहनी।
(5) ~~कसप~~ क्याप - मनोहरश्याम जोशी।

इकाई-2 (i) प्रेमचन्द और रंगभूमि पर आधारित प्रश्न।
(ii) वृंदावनलाल वर्मा और मृगनयनी पर आधारित प्रश्न ।
एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) जैनेन्द्र के त्यागपत्र व कसप पर आधारित प्रश्न।
(ii) भीष्मसाहनी और तमस पर आधारित प्रश्न ।
एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यास -
(1) जहाज का पंछी - इलाचन्द जोशी (2) अनाम दास का पोथा - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (3) राग दरबारी- श्रीलाल शुक्ल (4) गान्धी जी बोले थे - अभिमन्यु अनत (5) एवन- सुगमवेदी (6) अँधेरे बन्द कमरे में - मोहन राकेश (7) आपका बंटी - मन्नू

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर
SOL/HE-316 (ii) सोलहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-2) - गोस्वामी तुलसीदास

क्रेडिट-03

पूर्णांक : 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा-60 अंक

02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है - 2X10 =20 अंक

(1) रामचरितमानस- (बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड);

(2) विनयपत्रिका-(प्रारम्भ के 50 पद)।

(3) कवितावली-(सम्पूर्ण)।

इकाई-2 (i) तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि, लोक नायक रुप, तुलसी की भक्ति-भावना तथा रामचरितमानस पर आधारित प्रश्न।

(ii) रामचरित मानस की कथावस्तु, चरित्र, काव्य-सौन्दर्य पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) तुलसीदास और विनय-पत्रिका की भक्ति, विनय, दार्शनिकता, काव्य-सौष्ठव आदि पर आधारित प्रश्न।

(ii) तुलसीदास और कवितावली की कथावस्तु, चरित्र-विधान, काव्य-सौष्ठव आदि पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-316(I) सोलहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-1) - सूरदास

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक
(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है -
2X10 =20 अंक

(1) सूरदास-सूरसागर (दोनों खण्ड) -
सम्पादक- आ0 नन्द दुलारे वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।

इकाई-2 (i) सूरदास के जन्म, युगीन पृष्ठभूमि उनकी रचना, भक्तिधारा में स्थान पर (आधारित प्रश्न)।

(ii) भक्तिकाल के स्वर्णयुग में सूर, भ्रमर-गीत-परम्परा, सामाजिक-संस्कृतिक अवदान, बाल-वर्णन आदि पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) सूरदास के गोपियों का वाग्वैदग्ध्य, कूटपद, भक्तिभावना गोपियों का विरह-वर्णन उद्धव के ज्ञान पर भक्ति की विजय आदि पर आधारित प्रश्न।

(ii) सूरदास के काव्य-शिल्प-अलंकार, बिम्ब, पद वैशिष्ट्य, गीति-योजना आदि पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -
(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE422-(iii) बाइसवाँ प्रश्नपत्र- हिन्दी भाषा शिक्षण (विकल्प-3)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) भाषा -शिक्षण- उद्देश्य और स्वरूप, भाषा-शिक्षण के विविध आयाम-भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा-शिक्षण, द्वितीय भाषा-शिक्षण, विदेशी भाषा-शिक्षण।

(ii) भाषा-शिक्षण की विधियाँ- भाषा अधिनियम और भाषा शिक्षण, भाषा-शिक्षण की प्रविधियाँ- व्याकरण, अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, वार्तालाप विधि, सांचा अभ्यास विधि, श्रव्य- दृश्य विधि।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) भाषा -कौशल और उनका विकास-श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशल का स्वरूप और उनमें योग्यता-प्राप्ति के विविध सोपान।

(ii) भाषा-शिक्षण में उपयोगी साधन-सामग्री औपचारिक भाषा शिक्षण, नक्शे, चार्ट, चित्र, भाषा-प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा-शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) लेखन-दक्षता-लिपि, वर्तनी, लेखन विकास के पाँच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

(ii) अभिव्यक्ति दक्षता-सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पांच चरण, सभी चरणों के अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

एम०ए०-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HC-421 इक्कीसवाँ प्रश्नपत्र- हिमालयीय साहित्य एवं संस्कृति

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित में से 2 व्याख्याएँ करनी है - 2X10 =20 अंक

पाठ्यग्रन्थ : - हिमालय-महादेवी वर्मा - लोक भारती प्रकाशन, 15A महात्मागाँधी मार्ग, इलाहाबाद-1.

- चन्द्रकुंवर काव्य प्रसंग और काव्यसंहिता-सम्पादक-श्रीकंठ, जयश्री ट्रस्ट-310-बसन्तविहार, देहरादून।

पाठ्यांश : (i) गोस्वामी तुलसीदास (हिमवान)।
(ii) मैथिलीशरण गुप्त (मातृभूमि)।
(iii) जयशंकर प्रसाद (हिमालय, आशा सर्ग)।
(iv) सुमित्रानन्दन पंत (हिमाद्रि)।
(v) चन्द्रकुंवर बर्त्वाल (हिमालय)।
(vi) सुभद्राकुमारी चौहान (वीरों का कैसा हो बसंत)।
(vii) रामधारी सिंह दिनकर (हिमालय के प्रति)।
(viii) अज्ञेय (पूर्वांचल)।
(ix) रमानाथ अवस्थी (हिमालय के प्रति)।

इकाई-2 गोस्वामी तुलसीदास, मैथिलीशरण गुप्त पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-318 (i) अट्ठारहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-1) - दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन

क्रेडिट-03

पूर्णांक : 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा-60 अंक

02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरुप और प्रकार, हिन्दी माध्यम-लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

(ii) रेडियो नाटक की प्रविधि, रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अन्तर

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रुपान्तर, रेडियो फैंटेसी, संगीत रुपक, आलेख रुपक (डाक्यूमेण्ट्री फीचर)।

(ii) टी0वी0 नाटक की तकनीक/टेली ड्रामा, टेलीफिल्म, डाक्यू ड्रामा तथा टी0वी0 धारावाहिक में साम्य-वैषम्य।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) साहित्यिक विधाओं का दृश्य-श्रव्य रुपान्तरण करना। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-सम्पादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि।

(ii) संचार-माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

भण्डारी।

उपर्युक्त में से 4 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्नों के उत्तर दे
(शब्द सीमा-70)-2X5=10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे
जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. उपन्यास का शिल्प-गोपालराय।
2. हिन्दी उपन्यास शिल्प और प्रयोग-डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
3. हिन्दी उपन्यास: डॉ0 रामदरश मिश्र।
4. प्रेमचन्द और उनका युग - डॉ0 रामविलास वर्मा।
5. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि-डॉ0 आदर्श सक्
6. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ0 रामदरश मिश्र।
7. स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी उपन्यास में जीवन दर्शन-डॉ0 सुमित्रा त्यागी।
8. स्वातन्त्रयोत्तर महिला उपन्यासकार: सामाजिक चेतना एवं रचना
-डॉ0 गुड्डी बिष्ट आशय प्रका
नई दिल्ली।

एम0ए0-II (हिन्दी)-चतुर्थ सेमेस्टर

SOL/HE-422(I) बाइसवाँ प्रश्नपत्र- गढ़वाली लोक साहित्य

(विकल्प-1)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) गढ़वाली लोक साहित्य का स्वरूप, गढ़वाली का प्रकाशित लोक साहित्य, साहित्य के संदर्भ में गढ़वाली भाषा का विकास, शब्द सम्पदा और अर्थभेद।

(ii) गढ़वाली लोकगीत- शैली विषय और रस की दृष्टि से भेद, मांगल गीत, विवाह गीत, झुमैलो, झोपती, लांमण बाजूबन्द, होरी गीत, बाजूबन्द, खुदेड़, चौफला, कुलाचार गीत, चौमासा गीत, बारहमासा गीत।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) गढ़वाली लोकगाथाएँ- लोक गाथा का अर्थ, लोकगाथा के भेद, गढ़वाली की लौकिक गाथाएँ-(पवाणा)- वीर गाथाएँ एवं [illegible] गाथाएँ। गढ़वाली की पौराणिक गाथाएँ (जागर)- कृष्ण सम्बन्धी गाथाएँ, देवगाथाएँ, पांडव सम्बन्धी गाथाएँ

(ii) जीतू बगड्वाल की गाथा, तीलू रौतेली की गाथा, माधोसिंह भंडारी की गाथा, जगदेव पंवार की गाथा, रणूरौत, भानु [illegible], गढ़ सुम्याल, मालू राजुला, कालू भंडारी, [illegible] सूरजू कौन आदि की गाथा।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) संचार माध्यमों की भाषा, हिन्दी के समक्ष आधुनिक जन-संचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

(ii) संवाद-लेखन, दृश्य-श्रव्य-सामग्री का सामंजस्य, इण्टरनेट सामग्री सृजन।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. मीडिया लेखन -डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी- भारत प्रकाशन लखनऊ।
2. पत्र प्रकाशन प्रक्रिया- शिवप्रसाद भारती।
3. हिन्दी पत्रकारिता की दिशाएँ- जोगेन्द्र सिंह।
4. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन- सूर्यप्रसाद दीक्षित।
5. व्यवसायिक हिन्दी- भोलानाथ तिवारी।
6. टेलीविजन समाचार-शकील हसन समसी।
7. जन संचार और हिन्दी पत्रकारिता-डॉ0 अर्जुन तिवारी।
8. दूरदर्शन संचार माध्यम-इग्नू नयी दिल्ली।
9. जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन- वियज कुलश्रेष्ठ।

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-317 (iii) सत्रहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-3) - लघुशोध प्रबन्ध

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक
(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्देश (1) लघुशोध प्रबन्ध का विकल्प केवल वही परीक्षार्थी चुन सकेंगे, जिन्होंने प्रथम दो सेमेस्टरों में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये हों।

(2) लघुशोध प्रबन्ध का विषय परीक्षार्थी द्वारा विभागाध्यक्ष/वरिष्ठ शिक्षक से परामर्श पर चुना जायेगा।

(3) लघुशोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एक बाह्य परीक्षक के साथ संयुक्त रुप से किया जायेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

हिन्दी साहित्य के किसी भी विषय पर लघुशोध किया जा सकता है, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा -

(1) नियतकालीन प्रस्तुतीकरण =20 अंक।

(2) लघुशोध मूल्यांकन =60 अंक।

(3) वाइवा =20 अंक।

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-317 (ii) सत्रहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-2) - नाटक और रंगमंच

क्रेडिट-03

पूर्णांक : 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा-60 अंक

02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है -

2X10 =20 अंक

(1) भारत दुर्दशा-भारतेन्दु।

(2) लहरों के राजहंस - मोहन राकेश।

(3) अन्धायुग - धर्मवीर।

(4) एक कंठ विषपायी - दुष्यन्त कुमार।

(5) संशय की एक रात - श्री नरेश मेहता।

इकाई-2 (i) भारतेन्दु एवं भारत दुर्दशा पर आधारित प्रश्न।

(ii) मोहन राकेश एवं 'लहरों के राजहंस' पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) धर्मवीर भारती एवं अंधायुग पर आधारित प्रश्न।

(ii) दुष्यन्त कुमार एवं श्री नरेश मेहता की पुस्तकों पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 द्रुतपाठ हेतु निर्धारित -

पगला घोड़ा (बादल सरकार-अनु0 प्रतिभा अग्रवाल), घासीराम कोतवाल (विजय तेंदुलकर), खड़िया का घेरा (ब्रेख्त-अनु0 कमलेश्वर), बकरी (सर्वेश्वर), आठवाँ सर्ग (सुरेन्द्र वर्मा)

संपादन के आधारभूत तत्त्व, व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

(ii) शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक-सम्पादन, सम्पादकीय लेखन, पृष्ठ-सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस-प्रबन्धन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार-संहिता।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400) - 1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. हिन्दी कार्मिक (प्रयोजन मूलक हिन्दी), डॉ0 शंकर 'क्षेम' एवं डॉ0 कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली।
2. प्रयोजन मलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रारूपण टिप्पण और प्रूफपठन, डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कामकाजी हिन्दी, डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया।
6. कम्प्यूटर और हिन्दी- डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. समाचार फीचर-लेखन एवं सम्पादन कला- डॉ0 हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

डॉ0 नामवर सिंह, देवराज उपाध्याय, डॉ0 रामस्वरुप चतुर्वेदी, डॉ0 इन्द्रनाथ मदान।

-उपर्युक्त में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा-70)

-2X5=10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे-

5X2=10 अंक

संदर्भ - ग्रन्थ

1. साहित्य का मर्म- हजारी प्रसाद द्विवेदी, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन-लखनऊ।
2. नयी समीक्षा: नये संदर्भ- डॉ0 नगेन्द्र -नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. काव्य के रूप - बाबू गुलाब राय।
4. हिन्दी साहित्यालोचन- श्यामसुन्दर दास, इण्डियन प्रैस इलाहाबाद।
5. दूसरी परम्परा की खोज- डॉ0 नामवर सिंह - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. छायावाद इतिहास और आलोचना- डॉ0 नामवर सिंह - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धान्त- डॉ0 सुरेश चन्द्र गुप्त, प्रकाशन-संतति प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम0ए0-I (हिन्दी)-द्वितीय सेमेस्टर
SOL/HC-212- बारहवाँ प्रश्नपत्र- पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) प्लेटो- काव्य सिद्धान्त अरस्तू- अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त।

(ii) लौंजाइनस की उदात्त की अवधारणा, ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त।

एक आलोचनात्मक प्रश्न शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) वर्ड्सवर्थ - काव्य- भाषा -सिद्धान्त, कॉलरिज, कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना।

(ii) मैथ्यू आर्नल्ड- आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।

एक आलोचनात्मक प्रश्न शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) टी0एस0 इलियट - परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

(ii) आई0 ए0 रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का सन्तुलन, व्यवहारिक आलोचना।

एक आलोचनात्मक प्रश्न शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

एम0ए0-I (हिन्दी)-द्वितीय सेमेस्टर
SOL/HC-211- ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र- छायावादोत्तर काव्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

निम्नलिखित में से 2 व्याख्याएँ करनी हैं- 2X10 =20 अंक

इकाई-1 (i) हरिवंश राय बच्चन-मधुकलश (प्रारम्भ के 10 छन्द)

(ii) अज्ञेय-नदी के द्वीप, असाध्य वीणा।

(iii) मुक्तिबोध-ब्रह्मराक्षस, आत्मा के मित्र मेरे।

(iv) भवानी प्रसाद मिश्र - कालजयी (खण्डकाव्य, प्रारम्भ के 2 सर्ग)

इकाई-2 (i) हरिवंश राय बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न।
(शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) अज्ञेय एवं मुक्तिबोध पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न।
(शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) द्रुत पाठ हेतु निर्धारित पाठ्यांश- 1. गिरीजा कुमार माथुर-हेमन्ती पूनो 2. धर्मवीर भारती-सुनो कनु सुनो 3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- अहं से मेरी बड़ी हो तुम 4. नरेश मेहता-किरन धेनुएँ 5. कुंवर नारायण -- उत्केन्द्रित 6. जगदीश गुप्त-आबनूसी चट्टान 7. रघुवीर सहाय-स्वाधीन व्यक्ति। (पुस्तक संग्रह कवितायन-सम्पादक डा0 हरिचरण शर्मा-त्रिपोलिया बाजार, राजस्थान)।

इकाई-4 (i) सिद्धान्त और वाद - आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण वाद तथा अस्तित्ववाद।

(ii) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ- संरचनावाद, शैली विज्ञान, विखण्डनवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

एक आलोचनात्मक प्रश्न शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-5 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 02 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70) 5X2 =10 अंक

इकाई-6 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 05 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे।

5X2 =10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त- डा0 शान्ति स्वरूप गुप्त।
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास- डा0 तारकनाथ बाली।
3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन- डॉ0 जगदीश चन्द्र जैन।
4. आलोचक और आलोचना- डॉ0 बच्चन सिंह
5. पाश्चात्य समीक्षा- सिद्धान्त और वाद-सत्यदेव मिश्र।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डा0 भगीरथ मिश्र।

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HE-318 (iii) अट्ठारहवाँ प्रश्नपत्र-(विकल्प-3) - छायावादी काव्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है -
2X10 =20 अंक

(1) प्रसाद- लहर (अन्तिम 2 लम्बी कविताएँ)।
(2) निराला - अपरा (प्रारम्भ की 10 कविताएँ)।
(3) पन्त चिदम्बरा (प्रारम्भ की 10 कविताएँ।।
(4) महादेवी वर्मा - यामा (प्रारम्भ की 10 कविताएँ)।
(5) माखनलाल चतुर्वेदी - हिमकिरीटिनी, कैदी और कोकिला, मरण-त्यौहार, वीरपूजा, पुष्प की अभिलाषा- (माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली खण्ड-6)।

इकाई-2 (i) प्रसाद और लहर पर आधारित प्रश्न।
(ii) निराला और अपरा पर आधारित प्रश्न।
एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) पन्त और चिदम्बरा पर आधारित प्रश्न।
(ii) महादेवी वर्मा और माखनलाल चतुर्वेदी पर आधारित प्रश्न।
एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -
(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ

(1) भारतीय साहित्य- डॉ0 नगेन्द्र-प्रभात प्रकाशन, 4/19, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली।

(2) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ-रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002.

(3) आधुनिक भारतीय चिंतन-विश्वनाथ नरवणे-राजकमल प्रकाशन, प्रा0लि0-1-बी0 नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-10002.

(4) भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा0लि0-1-बी0 नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-10002.

(5) भारतीय लोक साहित्य कोश- सम्पादक-डॉ0 सुरेश गौतम, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HC-315 पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र-भारतीय साहित्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक
(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) भारतीय साहित्य का स्वरुप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।

(ii) भारतीयता का समाजशास्त्र, हिन्दी-साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (निम्नलिखित ग्रन्थों में से केवल आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछे जायेंगे-व्याख्या नहीं)--

मृत्युंजय - (उपन्यास-असमिया) वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 बीच का रास्ता नहीं होता - (कविता संग्रह-पंजाबी) कवि पाश।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 हयवदन- (नाटक-कन्नड़) गिरीश कर्नाड।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर

SOL/HC-313 तेरहवाँ प्रश्नपत्र - हिन्दी आलोचना साहित्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 निम्नलिखित पाठ्यग्रन्थ से 2 व्याख्याएँ करनी है - 2X10 =20 अंक

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - त्रिवेणी।
(2) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - कबीर।
(3) आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी - नया साहित्य : नये प्रश्न।
(4) डॉ0 रामविलास शर्मा - भाषा और समाज।

इकाई-2 (i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना पद्धति एवं त्रिवेणी पर आधारित प्रश्न।

(ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति एवं कबीर पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी एवं नया साहित्य : नये प्रश्न।

(ii) डॉ0 रामविलास शर्मा के आलोचना मानदण्ड एवं भाषा और समाज पर आधारित प्रश्न।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 द्रुतपाठ हेतु निर्धारित -

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 श्यामसुन्दरदास, गुलाबराय, डॉ0

8. लीलाधर जगूड़ी-अनुभव के आकाश में चाँद 9. मंगलेश डबराल-पहाड़ पर लालटेन।

उपर्युक्त द्रुत पाठ पर आधारित 4 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से केवल 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 70 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-5 (i) उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघुत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे।

5X2 =10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. छायावाद - डॉ0 नामवर सिंह
2. छायावाद के आधार स्तम्भ- गंगा प्रसाद पाण्डेय।
3. कविता के नये प्रतिमान - डॉ0 नामवर सिंह।
4. नयी कविता- मूल्य मीमांशा - डॉ0 बैजनाथ सिंह।
5. धर्मवीर भारती- कनुप्रिया तथा अन्य कृतियाँ- डॉ0 ब्रजमोहन शर्मा।
6. अज्ञेय की काव्य चेतना-डॉ0 कृष्ण भावुक।
7. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया- अशोक चक्रधर।
8. आधुनिक प्रतिनिधि कवि- डॉ0 शान्ति कुमार गुप्त।

इकाई-4 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा-70)- 2X5=10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे- 5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी दर्शन-डॉ0 बलदेव मिश्र।
3. तुलसी मीमांसा- डॉ0 उदयभान सिंह।
4. तुलसी विविध संदर्भों में-डॉ0 वचन देव कुमार।
5. तुलसी साहित्य और साधना- डॉ0 इन्द्रपाल सिंह।

इकाई-4 (i) संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि का विकास।

(ii) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास, हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य का संक्षिप्त परिचय, स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 तक) 1X10 =10 अंक

इकाई-5 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70 तक) 5X2 =10 अंक

इकाई-6 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 05 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे।

5X2 =10 अंक

संदर्भ-ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास-डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का अतीत- आचार्य विश्वनाथ।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डा0 श्रीनिवास शर्मा।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डा0 बच्चन सिंह।
6. साहित्य का इतिहास दर्शन- प्रो0 नलिन विलोचन शर्मा।
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारी प्रसाद द्विवेदी।
8. मॉरीशस में हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास-डा0 श्यामधर तिवारी, बिन्सर पब्लिकेशन।

एम0ए0-I (हिन्दी)-द्वितीय सेमेस्टर

HC-210- दसवाँ प्रश्नपत्र- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

त पाठ्यक्रम :

1 (i) हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ- वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

(ii) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण, विश्व के भाषा परिवार का संक्षिप्त परिचय- सतम् एवं केन्तुम।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

-2 (i) हिन्दी का भौगोलिक विस्तार -हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

(ii) खड़ी बोली, ब्रज और अवधि की विशेषताएँ और अन्तर।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

-3 (i) हिन्दी का भाषिक स्वरूप- हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खण्डप, खण्ड्येतर। हिन्दी-शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

(ii) रूप रचना -लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व क्रियारूप। हिन्दी-वाक्य- रचना: पदक्रम और अन्विति।

एम0ए0-I (हिन्दी)-द्वितीय सेमेस्टर

SOL/HC-208- आठवाँ प्रश्नपत्र- हिन्दी साहित्य का इतिहास

(भारतेन्दु युग से अब तक)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1857 ई0 की राजक्रान्ति और पुनर्जागरण।

(ii) भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनायें और साहित्यिक विशेषतायें -एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 तक)
1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

(ii) हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास-छायावादी काव्य: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। (शब्द सीमा 400 तक) 1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रविधियाँ- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनायें एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

(ii) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आदि का विकास।

-एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 तक) 1X10 =10 अंक

एम0ए0-II (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर
SOL/HC-314 चौदहवाँ प्रश्नपत्र-प्रयोजनमूलक हिन्दी
(कामकाजी हिन्दी एवं हिन्दी कम्प्यूटिंग)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक
(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) कामकाजी हिन्दी के विविध रुप-सर्जनात्मक भाषा, संचार, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।

(ii) कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य-प्रारुपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लव, टिप्पण।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) पारिभाषिक शब्दावली-स्वरुप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धान्त। ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

(ii) हिन्दी कम्प्यूटिंग-कम्प्यूटर परिचय, रुपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय। इण्टरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक-रख-रखाव, इण्टरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) वेब पब्लिशिंग, इण्टर एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप।

(ii) लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इण्टरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-400)-1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) पत्रकारिता-स्वरुप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार-लेखन-कला

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) हिन्दी के विविध रूप - सम्पर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा, के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार-भाषा, हिन्दी की संविधानिक स्थिति।

(ii) हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ - आंकड़ा संसाधन और शब्द - संसाधन, वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण, देवनागरी लिपि: विशेषताएँ एवं मानकीकरण।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-5 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से लघूत्तरीय 4 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 02 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70) 5X2 =10 अंक

इकाई-6 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 05 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे।

5X2 =10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास- डा0 गुणानन्द जुयाल।
2. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा-रामदरश मिश्र।
3. भाषा और समाज - डा0 रामविलास शर्मा।
4. हिन्दी भाषा का स्वरूप - डा0 जितेन्द्र नाथ मिश्र।
5. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान- कृपाशंकर सिंह तथा चतुर्भुज सहाय।
7. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ-रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा रमानाथ सहाय।

एम0ए0-I (हिन्दी)-द्वितीय सेमेस्टर
SOL/HC-209- नवाँ प्रश्नपत्र- कथा साहित्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

निम्नलिखित में से 2 व्याख्याएँ करनी हैं- 2X10 =20 अंक

इकाई-1 (i) शेखर: एक जीवनी (भाग 1 व 2)--अज्ञेय

(ii) बाणभट्ट की आत्मकथा- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(iii) कहानी-हिन्दी कहानी के ग्यारह पग चिह्न सं0 - डा0 आशा जुगरान- अनुभव प्रकाशन, ई-28, लाजपतनगर, साहिबाबाद गाजियाबाद (उ0प्र0)।

1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था 2. प्रेमचन्द -कफन 3. जैनेन्द्र -पत्नी 4. कमलेश्वर-पराया शहर 5. विद्यासागर नौटियाल -फटजा पंचधार 6. निर्मल वर्मा- लंदन की एक रात 7. उषा प्रियंवदा-वापसी।

इकाई-2 (i) शेखर: एक जीवनी एवं बाणंभट्ट की आत्मकथा -एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400)

1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) कहानी एवं कहानीकारों पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400)

1X10 =10 अंक

एक आलोचनात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-4 (i) हिन्दी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिन्तन-रीतिकालीन प्रमुख कवि आचार्य (केशवदास, भिखारीदास), हिन्दी के प्रमुख आलोचक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नन्ददुलारे
बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल।

(ii) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ-शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय।

एक आलोचनात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा 400 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे -

(शब्द सीमा 70 शब्द) 1X10 =10 अंक

इकाई-6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके सभी के उत्तर देने होंगे-

5X2=10 अंक

संदर्भ - ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्य शास्त्र- बलदेव उपाध्याय, नंद किशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।
2. काव्य शास्त्र - डॉ0 भगीरथ मिश्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका- डॉ0 नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. भारतीय काव्य शास्त्र- डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत।
5. भारतीय काव्य शास्त्र- डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।

एम0ए0-I (हिन्दी)-प्रथम सेमेस्टर

SOL/HC-106 छठां प्रश्नपत्र - भारतीय काव्यशास्त्र

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्ट

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई-1 (i) संस्कृत काव्यशास्त्र-काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

(ii) रस-सिद्धान्त-रस का स्वरुप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार-सिद्धान्त-मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

एक आलोचनात्मक प्रश्न(शब्द सीमा 400 शब्द)-1X10 =10 अंक

इकाई-2 (i) रीति-सिद्धान्त की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति-सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

(ii) वक्रोक्ति-सिद्धान्त-वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

एक आलोचनात्मक प्रश्न-(शब्द सीमा 400 शब्द)1X10 =10 अंक

इकाई-3 (i) ध्वनि-सिद्धान्त-ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि-काव्य के प्रमुख भेद,
गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

(ii) औचित्य-सिद्धान्त-प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(iii) शब्द-शक्ति-अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

एम0ए0-I (हिन्दी)-द्वितीय सेमेस्टर

SOL/HC-207-सातवाँ प्रश्नपत्र- मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

निम्नलिखित में से 2 व्याख्याएँ करनी हैं-

2X10 =20 अंक

इकाई-1 (i) सूरदास - भ्रमरगीत सार-सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (50 पद) पद संख्या-6,7,8,9,18, 21, 23, 24, 25, 26, 31, 37, 38, 42, 45, 52, 57, 62, 64, 65, 76, 82, 85, 89, 92, 95, 97, 99, 100, 107, 108, 120, 122, 130, 136, 138, 141, 162, 171, 172, 190, 205, 237, 278, 279, 376, 395, 400

(ii) तुलसीदास- रामचरित मानस (गीता प्रेस संस्करण) - सुन्दरकाण्ड (1 से 50 तक के दोहे व चौपाइयाँ)

(iii) घनानन्द - आनन्द घन- सं0 - रामदेव शुल्क, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली (आरम्भ के 25 छंद)

(iv) बिहारी लाल - बिहारी रत्नाकर -सम्पादक जगन्नाथ दास रत्नाकर-लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। (आरम्भ के 75 दोहे)

इकाई-2 (i) सूरदास एवं तुलसीदास पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न -(शब्द सीमा 400 तक) 1X10=10 अंक

इकाई-3 (i) घनानन्द एवं बिहारीलाल पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न- (शब्द सीमा 400 तक) 1X10=10 अंक

इकाई-4 (i) द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि - 1. केशवदास - रामचन्द्रिका से (अंगद रावण संवाद) 2. भूषण -शिवाजी प्रशस्ति 3. रसखान 4. मौलाराम- अशक उपासक (प्रारम्भ के 5 छन्द) 5. रतन कवि -फतेह प्रकाश (प्रारम्भ के 5 पद)

उपर्युक्त द्रुत पाठ से केवल 4 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70 तक) 5X2=10 अंक

इकाई-5 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघुत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनके सभी के उत्तर देने होंगे।

5X2=10 अंक

संदर्भ -ग्रन्थ

1. मध्यकालीन बोध स्वरूप- डा0 हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- डा0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. मध्यकालीन काव्य साधना- डा0 वासुदेव सिंह
4. कबीर एक नई दृष्टि - डा0 रघुवंश लोकभारती
5. भक्ति आंदोलन का सामाजिक आधार- सं0 गोपेश्वर सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
7. सूर एवं उनका साहित्य- डा0 हरवंश लाल शर्मा
8.. तुलसी एवं उनका साहित्य- डा0 हरवंश लाल शर्मा

एम०ए०-1 (हिन्दी)-प्रथम सेमेस्टर

HOL/HC-105 पाँचवा प्रश्नपत्र - आधुनिक काव्य

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)

01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 निम्नलिखित में से दो व्याख्याएँ करनी है –

2x10=20 अंक

(1)– जयशंकर प्रसाद –कामायनी–कौन तुम संसृति जलनिधि तीर (श्रद्धा सर्ग), इतना न चमत्कृत हो बाला [illegible] सर्ग)।

(2)– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला–राम की शक्ति पूजा तथा बादल राग (1,2) ।

(3)– सुमित्रानन्दन पंत–मौन निमंत्रण,नौका विहार,अल्मोड़े का बसंत, आ धरती कितना देती है, प्रथम रश्मि (रश्मिबंध–सुमित्रानन्दन पंत) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(4)– दिनकर– उर्वशी (तृतीय अंक) – कौन है अंकुश इसे मैं भी नही पहचानता हूँ ______ से रक्त बुद्धि से अधिक बली है– पद तक।

इकाई–2 जयशंकर प्रसाद, निराला ,पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 शब्द)–

01x10=10 अंक

इकाई–3 सुमित्रानन्दन पंत दिनकर पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 400 शब्द)–

01x10=10 अंक

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि –

(1) मैथिली शरण गुप्त–साकेत (नवम सर्ग) (2) जगन्नाथदास रत्नाकर–उद्धव शतक (प्रारम्भ के 10 छन्द) (3) महादेवी वर्मा–धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, जीवन विरह का जलजात,मैं नीर भरी दुख की बदली (प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी,की श्रेष्ठ रचनाएँ ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद) (4) हरिवंश राय बच्चन–मधुशाला (प्रारम्भ के10 छन्द) (5) दुष्यन्त कुमार–साये में धूप (प्रारम्भ के10 छन्द)

उपर्युक्त द्रुत पाठ पर आधारित 04 प्रश्नों में से 02 लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 70 शब्द) 5X2=10 अंक

[illegible] से लघुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे–

5x2=10 अंक

संदर्भ –ग्रन्थ

1. छायावाद के आधार स्तम्भ– गंगा प्रसाद पाण्डेय।
2. आधुनिक कविता यात्रा –डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी।
3. छायावाद की परिक्रमा– डॉ० श्याम किशोर मिश्र, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
4. नयी कविता और नये कवि– डॉ० विश्वम्भर मानव।
5. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
6. छायावादी काव्य: कुछ नये संदर्भ – डॉ० मृदुला जुगरान।
7. समकालीन हिन्दी कविता– डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।

इकाई-4 द्रुत पाठ हेतु निर्धारित पाठ्यांश-

(i) कहानी एवं कहानीकार - 1. बंग महिला - दुलाईवाली 2. फणीश्वरनाथ रेणु-रसप्रिया 3. अमरकान्त -डिप्टी कलक्टरी (ये कहानियाँ उपर्युक्त कहानी संकलन में संग्रहीत हैं)।

(ii) उपन्यास एवं उपन्यासकार- 1. यशपाल-दिव्या 2. भीष्म साहनी -तमस 3. मन्नू भंडारी -महाभोज। हरिवंश राय बच्चन-क्या भूलू क्या याद करूँ।

उपर्युक्त द्रुत पाठ पर आधारित 4 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 के उत्तर देनें होंगे।

(शब्द सीमा 70 तक) 1X10 =10 अंक

इकाई-5 (i) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे।

5X2 =10 अंक

संदर्भ - ग्रन्थ

1. समकालीन हिन्दी उपन्यास- कथा विश्लेषण -डा0 प्रेमकुमार।
2. हिन्दी उपन्यास-डा0 गणेशन
3. हिन्दी उपन्यास-डा0 रामदरश मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास - समाजशास्त्रीय अध्ययन- डा0 चण्डी प्रसाद जोशी
5. उपन्यास का शिल्प-डा0 गोपाल राय
6. हिन्दी उपन्यास में कथा शिल्प का विकास- प्रताप नारायण टंडन।
7. आज का हिन्दी उपन्यास - डा0 इंद्र नाथ मदान।

एम0ए0-I (हिन्दी)-प्रथम सेमेस्टर

HOL/HC-104 चौथा प्रश्नपत्र -भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 (I) – भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएं, भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, भाषा संरचना और भाषा प्रकार्य।

(II) – भाषा विज्ञान–परिभाषा एवं स्वरूप, अध्ययन की दिशाएं – वर्णनात्मक ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक।

एक आलोचनात्मक प्रश्न(शब्द सीमा 400शब्द)–01X10=10 अंक

इकाई–2 (I) –स्वन–विज्ञान स्वरूप एवं शाखाएं, वाग अवयव और उनके कार्य , स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन के कारण और दिशाएं ।

(II)-- स्वनिम विज्ञान का स्वरूप , स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद , स्वनिमिक विश्लेषण ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न(शब्द सीमा 400शब्द)–01X10=10 अंक

इकाई–3 (I)– रूपिम विज्ञान –रूप प्रकिया का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेद–शब्द और रूप (पद), सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व ।

(II)–वाक्य–विज्ञान–वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ–अवयव विश्लेषण, गहन–संरचना और वाह्य संरचना ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न(शब्द सीमा 400शब्द)–01X10=10 अंक

इकाई–4 (I)–अर्थ विज्ञान–अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं ।

(II)–प्रर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता । साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न(शब्द सीमा 400शब्द)–01X10=10 अंक

इकाई–5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 04 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 02 के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 70 शब्द) 5X2=10 अंक

इकाई–6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे– 5x2=10 अंक

संदर्भ – ग्रन्थ

1. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
2. आधुनिक भाषा विज्ञान– कृपाशंकर सिंह।
3. भाषा और समाज – डॉ0 रामविलास शर्मा।
4. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ0 गुणानन्द जुयाल।
5. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा– भवदीय प्रकाशन, फैजाबाद।
6. भाषा विज्ञान की भूमिका– डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा।

एम0ए0-I (हिन्दी)-प्रथम सेमेस्टर

SOL/HC-103 तीसरा प्रश्नपत्र - आधुनिक गद्य (नाटक, निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाएँ)

क्रेडिट-03
पूर्णांक : 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा-60 अंक
02 सेशनल परीक्षा-40 अंक

(क्रेडिट 15 सप्ताह)
01 क्रेडिट पाठ्यक्रम =15 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 – निम्नलिखित में से दो व्याख्याएं करनी हैं –
2x10=20 अंक

–(1)–स्कन्दगुप्त–प्रसाद

(2)–आधे अधूरे–मोहन राकेश

(3)–निबन्ध (हिन्दी के ग्यारह श्रेष्ठ निबन्ध सं0 डॉ0 मधु शर्मा–सरस्वती प्रेस देहरादून) 1–महावीर प्रसाद द्विवेदी–कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता 2–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–कविता क्या है? 3–डॉ0 पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल–उत्तराखण्ड में संत मत और सन्त साहित्य 4–हजारी प्रसाद द्विवेदी–अशोक के फूल, 5–आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी–भारतीय साहित्य की एकता 6–डॉ0 रामविलास शर्मा–सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास 7–विद्यानिवास मिश्र–अस्ति की पुकार हिमालय।

इकाई–2 स्कन्दगुप्त और आधे अधूरे से एक आलोचनात्मक प्रश्न।
(शब्द सीमा 400 शब्द) 01X10=10 अंक

इकाई–3 निबन्ध एवं निबन्धकारों से एक आलोचनात्मक प्रश्न।
(शब्द सीमा 400 शब्द) 01X10=10 अंक

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निर्धारित पाठ्यांश –

(अ) निबन्ध एवं निबन्धकार: (1) बालमुकुन्द गुप्त–आशीर्वाद (2)प्रतापनारायण मिश्र–'आप'
(3) सरदार पूर्णसिंह–मजदूरी और प्रेम (4) डॉ0 नगेन्द्र–साहित्य में आत्माभिव्यक्ति ।
(ये निबन्ध उपर्युक्त निबन्ध संग्रह में संकलित है)

(ब) नाटक एवं नटककार: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र–अंधेर नगरी,
(2)डॉ0 रामकुमार वर्मा–अशोक का शोक।

(3) धर्मवीर भारती–अन्धा युग ।

(स) अन्य विधा–पथ के साथी–महादेवी वर्मा ।

उपर्युक्त द्रुत पाठ पर आधारित 04 लघूत्तरीय प्रश्नों में से 02 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
5X2=10 अंक

इकाई–5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय 5 प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से सभी के उत्तर देने होंगे–
5X2=10 अंक

संदर्भ –ग्रन्थ

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
2. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक –डॉ0 जगदीश चन्द्र जोशी।
3. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना–डॉ0 गोविन्द चातक।
4. नाटककार मोहन राकेश– डॉ0 पुष्पा बंसल।
5. नाट्य– निबन्ध – डॉ0 दशरथ ओझा।
6. हिन्दी उपन्यास के 100 वर्ष – डा0 रामदरश मिश्र।
7. हिन्दी निबन्ध के आधार स्तम्भ– डॉ0 हरिमोहन।